भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्याः *238

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 09 मार्च, 2026

18 फाल्गुन,1947 (शक)

कोटीलिंगाला में ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण

*238. **श्री वामसि कृष्णा गद्दाम**:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कोटीलिंगाला में खोजे गए प्राचीन सातवाहन युग के पुरावशेषों को संरक्षित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान कोटीलिंगाला में पुरातात्विक अवशेषों के उत्खनन, परिरक्षण और संरक्षण के लिए आवंटित की गई और उपयोग में लाई गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) कोटीलिंगाला को एक ऐतिहासिक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए सरकार या संबद्ध एजेंसियों द्वारा अवसंरचना के विकास, साइनेज (सूचना पट्ट), पहुंच और जागरूकता अभियानों सहित किए गए/किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) कोटीलिंगाला स्थल के सांस्कृतिक,धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित और सुरक्षित रखने में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की भूमिका और भागीदारी क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

कोटीलिंगाला में ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण के बारे में माननीय संसद सदस्य श्री वामसि कृष्णा गद्दाम द्वारा पूछे गए राज्यसभा तारांकित प्रश्न संख्या *238 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): कोटिलिंगाला स्थल तेलंगाना सरकार के धरोहर विभाग के संरक्षण में है। विभाग ने वर्ष 1979-1983 के दौरान, कोटिलिंगाला में उत्खनन किया है और चैत्य गृह, विहार परिसर, इंटों की संरचनाओं और अन्य पुरावशेष जैसे सिक्के, टेराकोटा के मनके, मिट्टी के बर्तन, लोहे की वस्तुएँ, अर्ध-कीमती मनके, शंख की चूड़ियाँ, शिलालेख आदि की खोज की है, जो विभाग द्वारा संरक्षित की गई हैं।

(ख): तेलंगाना राज्य सरकार के धरोहर विभाग ने विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान कोटिलिंगाला में पुरातात्विक अवशेषों के उत्खनन, परिरक्षण और संरक्षण के लिए कोई निधियाँ आवंटित नहीं की है।

(ग): तेलंगाना राज्य सरकार के धरोहर विभाग ने कोटिलिंगाला उत्खनन-1979-1983 पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है और कोटिलिंगाला सिक्कों का प्रकाशन किया है। इसने विशेष रूप से कोटिलिंगाला पर अतिथि व्याख्यानों, संगोष्ठियों का भी आयोजन किया है। विभाग ने, इस संबंध में जागरूकता के लिए जिला पुरातत्व संग्रहालय, करीमनगर और शताब्दी पुरातत्व संग्रहालय और निदेशालय कार्यालय, गनफाउंड्री, हैदराबाद में प्राचीन पुरावशेषों को प्रदर्शित किया है।

तेलंगाना के धरोहर विभाग ने कोटिलिंगाला स्थल से सटे श्री सुंदरेश्वर स्वामी मंदिर के पास बुनियादी ढांचे के विकास का काम किया है।

(घ): कोटिलिंगाला को राष्ट्रीय महत्व के रूप में घोषित नहीं किया गया है अतः भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, इसके अनुरक्षण संबंधित कार्य में शामिल नहीं है। इस स्थल के तेलंगाना के धरोहर विभाग द्वारा संरक्षित होने के कारण, उक्त विभाग इस स्थल के सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को परिरक्षित और संरक्षित कर रहा है।

*****